

CHUNILAL GANDHI VIDYABHAVAN
SURAT.

Manuscripts Library

S.D.P.B.
Coll. No. 419

Title Jyāna Tārana

CHUNILAL GANDHI VIDYABHAVAN, SURAT

Shastri Dinmanishankar Pustak-Bhandara

No. : 419. Subject : Tantric
Dharmarashtra

Title : Jvara tanpanga

Author : — Scribe : —

Date of the work : — Date of the Ms. : —

Place of the work : — Place of the Ms. : —

Size : 6.7" by 4" Extent : 1 fol.

Language : Sanskrit Script : Devanāgarī

Remarks : —

॥ अत्रायं शंभुः शैवः सामन्तिः पुण्डरीकः कन्यावृत्त्यावी लुन
 रिष्ये ॥ इति त्रीपिंडी समाप्तः ॥ ग्रंथमूल्या का ॥ २५ ॥ ^{ज्वरतपण} उत्र पाद्र स्मप्रह
 रहरण सिशिर रक्त लोचनः ॥ समे प्रीतिः सुखं दद्यात्सर्वमिदं
 पतिर्ज्वरः ॥ ऊरु मंत्रस्य कालाग्निस्तद्रूपिः ॥ गायत्री छंदः ॥
 माहादेवो देवता सर्वज्वर विनाशार्थे नृपे वी ॥ गः ॥ नस्मा युधा
 य विद्महे एकदंष्ट्राय धिमहि ॥ तन्नो ज्वर प्रचोदयात् ॥ १ ॥
 इति ज्वरतपणं समाप्तं ॥ श्री ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ पंत रिद्धे ये कैचिये के रलु वा संस्थिता ये लुता
विन्ध कर ता रः स्ते न श्यं तु शि वा न्य या ॥ मंत्रः ॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥